Pontoon Bridge at Galauli Bara Naoghat in Fatehpur, U.P.

2681. SHRI RAM NATH KOVIND:
DR. RANBIR SINGH:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether some requests for construction of Pontoon bridge at Galauli Bara Naoghat in Fatehpur district, Uttar Pradesh have been received;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have taken any action on these requests for construction of 'Pucca' bridge at Chisla and Dado Ghat over Yamuna river in Fatehpur-Banda districts of Uttar Pradesh; and

(d) if so, the details thereof; and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T. G. VENKATRAMAN): (a) to (d) The Central Government is primarily responsible for development and maintenance of National Highway/ Bridges in the country and all other roads/bridges are essentially the responsibility of the concerned State Governments. The Pontoon bridge at Galauli Bara Naoghat in Fatehpur, Uttar Pradesh and 'Pucca' bridge at Chisla and Dado Ghat over Yamuna river in Fatehpur-Banda districts of Uttar Pradesh does not form part of National Highway System. Hence responsibility of its construction lies with the State Government of Uttar Pradesh.

शहरों के बीच से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की चौड़ाई में कमी करना

2682. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार शहरों के बीच से होकर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव की पूरी जिम्मेवारी नहीं लेती है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या सरकार के पास शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों की चौड़ाई 30 मीटर से 25 मीटर कम करने का प्रस्ताव विचाराधीन है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकटरामन): (क) केन्द्र सरकार शहरों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के लिए 60,000/- रु० प्रति कि०मी० प्रतिवर्ष अनुरक्षण लागत तथा ऐसे खंडों की उपयुक्तता अथवा अन्य आधार पर विकास की पूरी लागत वहन करती है।

(ख) जी नहीं।

ग्वालियर और महु स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-3 पर बाह्य-पथ (बाईपास)

2683. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान ग्वालियर और महु स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-3 पर एक बाह्य-पथ (बाईपास) के निर्माण को मंजूरी दे दी गई थी; और

(ख) इस संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकटरामन): (क) जी नहीं।

(ख) रा०रा०-3 पर ग्वालियर बाईपास के संरेखण को अंतिम रूप दिया जा चुका है और महु बाईपास के लिए संरेखण को अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

मेहर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-7 पर एक उपरिपुल का निर्माण

2684. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान मेहर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-7 पर एक उपरिपुल के निर्माण की मंजूरी दी गई है;

(ख) क्या इसे वर्ष 1995-96 की वार्षिक योजना में सम्मिलित किया गया था; और

(ग) यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकटरामन): (क) मेहर शहर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर ऊपरिपुल का निर्माण आठवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल कार्यों में से एक था।

(ख) जी नहीं।

(ग) मेहर शहर में रा०रा०-7 पर ऊपरिपुल का निर्माण निधियों की कमी के कारण शुरू नहीं किया जा सका।

Conferring University Status to MERI, Calcutta

2685. SHRI Y. RADHAKRISHNA MURTY:
SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government are considering conferring a deemed university status to the MERI, Calcutta;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T. G. VENKATRAMAN): (a) and (c) Setting up of an Indian Maritme University comprising of all the four Government run Maritime Traininig Institutes namely Marine Engineering and Research Institute, Mumbai; Marine Engineering and Research Institute, Calcutta; Lal Bahadur Shastri College of Advanced Maritime Studies & Research, Mumbai; and Training Ship Chanakya, New Mumbai was recommended in May, 1992 by an Expert Committee, designated as Committee on Maritime Education and Training (COMET). An Empowered Committee constituted to examine the COMET recommendations suggested that the proposed University may be set up as a deemed University. During inter-Ministerial consultations, Department of Education stipulated that status of 'deemed University' to the Indian Maritime University could be conferred only after all the four Maritime Institutes and approved by the All India Council of Technical Education. The MERI, Calcutta, has already been accorded approval by AICTE. Approval in respect of other Institutes is yet to be received.

उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास में निधि का उपयोग

2686. **श्री अखिलेश दास:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में वर्ष 1995-96 और 1996-97 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव के लिए कितनी राशि आबंटित की गई है;

(ख) कितनी राशि उक्त अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश के लिए आबंटित की गई थी और क्या इस पूरी राशि का पूर्णरूपेण उपयोग किया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या बकाया राशि के 1997-98 के दौरान खर्च किए जाने की संभावना है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकटरामन): (क) 1995-96 और 1996-97 के दौरान देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव के लिए आबंटित राशि इस प्रकार है:—

वर्ष	आबंटन (लाख रु०)
1995-96	28443.96
1996-97	31749.52

(ख) से (घ) 1995-96 और 1996-97 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य सरकार को अभी तक क्रमशः 2529.94 लाख रु० और 2937.40 (3/97) लाख रु० की राशि आबंटित की गई है और आबंटित निधियां अभ्यर्पित नहीं की गई हैं।

जहाज निर्माण इकाइयों की स्थापना किया जाना

2687. **श्री चीमनभाई हरिभाई शुक्ला:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान सरकार द्वारा शुरू की गई जहाज निर्माण योजनाओं की संख्या कितनी है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान देश में स्थापित जहाज निर्माण इकाइयों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में जहाज निर्माण के लिए इकाइयों या संयंत्रों को स्थापित करने हेतु सरकार ने क्या-क्या मानदण्ड अपनाए हैं;